

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	52
--	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	----

ایڈیٹر:
اعجاز مہر

روزانی

سندھیا

Daily SINDHYA
www.dailysindhyar.com

جمعو 14 جولاء 2023ع

[illegible]

احتجاج جي جمهوري حق ڏانهن غير جمهوري روش

ڪالاب استان جي تنظيم پ ت آف جي قيادت ۽ استادن پنهنجي مطالبن جي ڪارڻ انتظاميا طرفان رٽائرڊن خلاف سنڌ جي انتظامي سربراه کي ڏانهن ڏيڻ چاڙهڻ آف مابند پيش ڪرڻ لاءِ ويندڙ استادن کي پريس ۽ قانوني اڳوڻڪڙون رستي و روڪي کين اڳتي وڌڻ نه ڏنو ۽ اڳتي وڌندڙ استادن تي سخت تشدد ڪري 0 استادن کي زخمي ڪيو ويو ۽ 50 استادن جي گرفتاريءَ جو خبريون پڻ رپورٽ ٿي چڪيون آهن. ڪراچيءَ جي روڊن تي استادن تي سنڌ لاءِ سياسي ڪشش وٺي وڻ وڻ ڪيئن جو پڻ استعمال ڪيو ويو. هي سئون لکڻ تائين گرفتار ڪيل استادن آزاد ٿي سگهيا هئا. گهوڙين يا ٻين ناڪ قسمر جي مشينريءَ تي ”اٽار پروف“ جا مشاها ”پروف“ ڪيل هوندا آهن پر دنيا ۾ شايد اسان جي حڪمرانن ان جي ڪر ڪر ڏيڻ ڏيڻيسٽ پروف“ هجڻ جو اعزاز حاصل آهي ڪيڏا به کڻي احتجاج جو ٿيڻ انهن وائرا سان جي حڪمرانن تي ناهي پوندو ڪنهن به سماج ۾ احتجاج طرزحڪمرانواراستادن تي بني اقتصادي ۽ ڪارو ۽ ڀاڱو هوندا آهن. دنيا جي سڌريل ملڪن جا حڪمران عوام جي مزاج جي طور ۽ اندازو هٿ ۾ کڻي وٺندا آهن پر اسان جي حڪمرانن جو مدع هي ته ٿارو ۽ اداي ته ”آڙ“ آهي. هتي ڪوروامي مسئلواستاديتي حڪمرانن جي ڌيان تي نٿو اچي. سنجاستين اهو ڪرو ڏاڻو ”اٽو“ ٿوري بچي هاتي ته هر ملڪ جي ماڻهن کي اها پرڏي بچي چڱي آهي ته وڏن احتجاجن کانسواءِ مسئلن کي تسلسل ڪي ٿيڻي ناهي. اسان ڪلهه آهي ته حڪمرانن جي عوامي مسئلن کي نظر انداز ڪرڻ واري طرز عمل سان پاڻ تي عوام کي احتجاج جي ترغيب ڏيندا آهن پر ت انهن کي به مستحضر ٿيڻي آهي. انهن جي اڳواڻن طرفان عوامي سطح تي سماج لاءِ ڪنهن به ڪوششون ٿينديون رهيون آهن اڳي ڪيتريون نظميون ۽ پروپاگنڊا ٻيوه آءِ بي آءِ جا استادهجن. آبادگار هجن. ڊاڪٽر هجن. جڏهن انهن ڏانهنپنهنجي سطح تي انتظاميا بي ڌياني ۽ لاتعلقي ڏيکارڻ تي آهي. اهي مجبور ٿي پنهنجي ڏانهن سنڌ جي انتظامي سربراه ڏانهن کڻي وڃن لاءِ وڙياعلي هاڻوس ڏانهن پڻ ٿيڻ ٿا رهن ڪي ڏانهن پڻ ۽ اڳڏانهن پڻ وڃن ۽ ڏوڏيندو آهي. ۽ اڪثر ڪري انهن تي سخت تشدد ڪري انهن جون گرفتاريون ڪيون وينديون آهن. جيئن هن پيري پ ت آف جي قيادت ۽ استادن سان ڪيو ويو آهي. حڪمران پارٽي به مختلف فرقتن تي مختلف معامالن تي احتجاج ڪندي رهي آهي. سنڌ ڪورومت به وڌل احتجاج جو جمهوري حق استعمال ڪندي رهي آهي پر عوام کي اهو احتجاج جو حق. جيڪو انهن جو جمهوري حق آهي. ڏيڻ لاءِ اهي تيار ناهن استادن جو ڀرمان احتجاج هو اهي انهن جا اهو احتجاج ڪرڻ لاءِ ڪنهن کي احتجاج جي ضرورت پوئيش آهي. انتظاميا چوري تي ته اهو ”ريڊ رومن“ (منوعو علائقو) آهي اها ڳالهه مناشده ۽ آڏو آهي ته اها روش صرف سنڌ جي سرڪاري ملازمن ۽ بي بهنج سماجي ورثن سان هوندي آهي. ته سنسگهاريون سياسي ڌرين سڀ اير هائوس احتجاج لاءِ وسيلو چاهينديون آهن ته انهن تي نه تل باري ڪئي ويندي آهي. ڏاڍو ڪيئن جو اهو احتجاج نه ٿي وري ڪين گرفتار ڪيو ويندو آهي. استاد سماج جا قابل احترام فرد آهن. انهن تي شديد تشدد ڪري. ڊاٽر ڪيئن استعمال ڪري انهن ڀرمان استادن کي ڪنڌون ڪر گرفتار ڪرڻ ڪتي جي جمهوريت آهي. استادن تي تشدد جو فيصلو جنهن به سطحي تي ٿيو. اهو مذمت جوڳو آهي. هن طرف سنڌ ۾ ڏاڙيل آهن. جيڪي روز ماڻهو اغوا ڪري ٿا وڃن. انهن کي ڀڳت نه ملڻ تي قتل ڪري ڇڏين. اهي پوئيش انتظاميا ٿي سون. پاڻي سنڌ پوليس ۽ قانون لاءِ ڪٿڻ آزاد اسان ڊيڻ لاءِ ”موس ماڻهو“ ٿي سون. اهي ظاهر آهي ته پ ت آف تنظيم ۽ اهو احتجاج اڳتي وڌي ڪيو هوندو. کان اڳ مختلف سطحن تي استادن پنهنجن مسئلن جي حل لاءِ ڪوششون ڪيون هونديون ۽ سڀني پاسن کان نظر انداز ٿيڻ ڪري اهي پنهنجي ڏانهن ڪري ۽ چارٽرڊ هونديون آهن. انهن کي ٿيڻ لاءِ اهي هائوس ٿيا آهن. ڏاڍو ڪيئن ٿينديون ائين آهي ته اهڙن احتجاجن بعد احتجاج ڪندڙن تي سخت تشدد ڪري ۽ ڪيپ گرفتار ڪرڻ ڏانهن انهن جا جڙ ملابا ملابا ويندا آهن پر اهي مطالبات اڳ ۾ ئي ڪيا وڃن. هن پيري پ ت آف طرفان جيڪو 16 نڪاتي چارٽر آف مابند پيش ڪيو آهي. ان تي استادن سان ڳالهين جي معامل حل ٿي تي سگهيا پر انهن ڏاڍي مدد جي سبب هيڏي وڌي پندامي ٿي. ڪراچي جي رستن تي ڀرمان استادن جو رڙ وهايو ويو ۽ گرفتاريون ڪيون ويون هي سئون لکڻ تائين گرفتار ٿيل استاد آزاد ڪيا ويا هئا. سنڌ جي ڏاڍي وڏي رهبر ۽ وزير اعليٰ هاڻوس ڏانهن سنڌ جي انتظامي سربراه کي ڏانهن ڏيڻ ۽ مطالبن جي مڃڻ لاءِ چارٽر آف مابند پيش ڪرڻ لاءِ ويندڙ استادن جي رستن وري روڪ ڪري انهن تي سخت تشدد ۽ گرفتاريون اسان ننڍن ٿينديون آهن اهو ڳوڙا ته استادن کي نه ٿيڻ آزاد ڪيو ويو ۽ سندن جڙ ملابا ملابا تسليم ڪيا وڃن استادن تي تشدد جو حڪم جنهن به سطح تي ڏنو ويو آهي. اها انتهائي مذمت جوڳو آهي. ان جي جاچ ڪرائي وڃي. جيڪي چورٽيل حڪومت لاءِ ٿينديون جو سبب بچجي رهيا آهن. احتجاج ۾ جمهوري حق آهي. ان ڏانهن غير جمهوري ڌيانت جي حيثيت جوڳي آهي.

٠١	بقايا	وڏي وزير، لاڙوڻتڻ ڪرائي وئي. وڏي وزير لاڙوڻ ڇڏي اميديارن و مقابلي طور ر راجا اعظم خان حاجي گلبر خان اڏاڪو ٿيون ه جاويد منوا شامل هئا. ساجي گلبر خان ٻه مسيرن جي حيات سان گلگت بلتستان جو نئون وزير مقرر ٿيو. اسپيڪر نذير اڏوڪيٽ حاجي گلبر وڏي وزير جي عهدبن جو اعلان ڪيو. واضح ٿي ته نئون ٽاڪ اڳ ٿي ب ليگ ٿي آ ڏاڍو بلالڏي حاجي گلبر خان جي حيات جو اعلان ڪيو.
٠٢	بقايا	

تي رهيو اې په پراخه کچه اړه اې خو چو
ماليواتي اعمار وړه تدبيريان چو
محاسباتي اړه له تحقيق ډله پراختيا ډله
ساروت خو پستين پيرسيستي چو اعمار
ارمکي اعمار اداري ناسا چو Modis
Aqua سلايتي اعمار 20 سالن چو پيدا چو
چو ناچا شي ولي تحقيق وړان سامونډي
رنگ و تدبيريان چو زمانو چو اوازو اوازو
چو رڼو ورو چو تدبيريان مال چو ذري
او اړو ورو چو چيکونه اعمار سرگرمين
سومونامي تدبيريان چو منهن نانو چو
سندن چو چکونه چو منهن نانو چو
واضع ورو سومونامي بحران پس سامونډي
رنگ و واضع تدبيريان اې ولي محققان
دې لپک چي دنيا چي سندن چي رنگ
تدبيريان واضع اې ولي سندن استادن
چو 56 سيکور څو څو څو څو څو څو څو
پکي وړي چي تدبيريان چي تدريات
اې واضع تدبيريان چو کشف صحن و
رنگ اې منهن اې چو کشف منهن چي کالهي
تيري رنگ و راډ يا گهستاني چي هر
اې سندن چو ره اې چي گهمنان اې
کشف تدبيريان نامو پړان اې سندن
چي هتي اې چي دانسي سرگرمين اعمار
حياتي اعمار محول اې اړتيا وړي اې
چي اې اسمون چو گراميون اعمار مورخ
اړتيا نامو سومونامي تدبيريان چو
چو اړتيا کشف اې چي هر اړتيا واضع اې
سندن چي اندواړو چي اې اې هتي
چي اې اې چو تدبيريان اې هتي
چو اړتيا اعمار چي سندن چي تدبيريان
سومونامي اعمار چي سندن چي اعمار
سکنيان

[illegible]

12 جولاءِ 2023ع تي عالمي مالياتي اداري ترينشنل مانيٽري فنڊ (آءِ ايم ايف) جي پڳڙيڪيوٽو بورڊ جي منظوري سان ڪجرو وقت پهرين اڪستان مٿان ڦٽاڻ جي جيڪا تلوار لٽڪيل پئي هئي، سا آءِ ايم ايف جي نون مهينن جي اسٽيٽس بائي ريجيڪٽ وسيلي 3 ارب ڊالر جي قسط جاري ٿيڻ سان وڌيڪي طور تي ته هتي وڏي آهي، پر پاڪستان جي معاشي ڏيولائي جي تلوار کي وڏي عرصي لاءِ اسپرو ڪرڻ جي اجازت ڪا به پاليسي ناهي آندي ٿي، جنهن ڪري اها تلوار اڃا به لٽڪيل آهي معاشي پيشميني جي موجوده تجربن مان ڦٽاڻ مان ڪرڻ ناممڪن ٻيو لڳي. توڻي جو 11 جولاءِ 2023ع تي ملڪ جي نائي واري وفاقي وزير سينٽرل سجاوڊ ڊار عوامي ر. پنهنجي خطاب ۾ اها نوٽيفڪيشن ڏني ته سعودي عرب مان 2 ارب ڊالر سٽيٽ بئنڪ آف پاڪستان جي ذخيرن ۾ پهچي چڪا آهن. اسٽيٽ بئنڪ وٽ مٿا سٽ جي نائي جا خيالا 3 ارب ڊالر ٿي چڪا آهن اسٽاڪ ڪسچينج ۾ به ان جا بهتر اثر ڏسڻ ۾ آيا. جتي اڪستان اسٽاڪ ايڪسچينج جي هنڊريڊ انڊيڪس ٽريل 14 مهينن بعد 43 هزار کان مٿي نظر آيو. پر ايف جي پروگرام جي بحالي کان اڳ گذريل جون مهيني ۾ وزير اعظم پاڪستان شهباز شريف اعلان ڪندي چيو ته اسان ملڪ جي پٽڏند معاشي پيڙيءَ جي پار پهچائون ٿا. ٻاهرين ملڪ جي سيڙڪارن، خاص طور عرب ملڪن جي واپارن لاءِ سرمايتڪاري رها هوموار ڪرڻ لاءِ وڃي رهيا آهيون. ان لاءِ هڪ ڪائونسل

اسپيشل انويسٽيگيٽو فيليڊيشن ڪائونسل جي

الي سان جوڙيون پيا، ڪار غير ملڪي سرمايتدارن کي ملڪ اندر سرمايتچاري لاءِ هر سهولت مهيا ڪئي. ڪائونسل جون مقصد وراثت، اتيو اسٽاڪ، دينديات، انفارميشن ٽيڪنالاجي، توانائي سميت نئين شعبن سان لاڳاپيل صلاحيتن کي باهريين چيو ته اسان ملڪ جي معاشي ورثو آهي، جنهن تحت برآمدات ۽ تيز معدني ۽ پاڪستان جي معاشي سورتحو تي پنهنجي تشويش جو اظهار ڪيو ۽ چيو ته اسان جي معاشي واڌاري لاءِ حڪومت سان هڪذري گڏ آهيون. فوج جو سهڪار حڪومت سان نوندن ان ڪائونسل و آرمي جيف پڻ شامل ٿيو ۽ ڏنگ فوج جا اعليٰ عملدرجن حڪومتي ميمبرن سان گڏ ڪائونسل جو حصو بڻايا ويا. 26 جون 2023ع تي عرب نيوزور پنهنجي لکيل مضمون ۾ بنايو اورپا مليڪو آهي ته کيس بلائنگ ويوزن جي ريعن وٽان خبر ملي آهي ته دراصل ان ڪائونسل جو

[illegible][illegible]

هياڻا	08	ٺاڻ ڪندڙ ڪرمي ڏند 28 ڊگري سينيٽي ڪري ڊاڪٽر ويرومسيات کاتي جو چون ٿا. ٽن شهرن 22 ڪلن ميٽر تي ڪلاڪي جي رفتار سان ڪڍڻ لڳا ۽ هائونن گهڻي رهيون آهن. جو گهر ڪي 58 سيڪڙو آهن جو وقت ڪراچي ۽ ڪي ڏند ٺاهڻ ۽ موهي بهتر آهن. ٺاڻ ڪندڙ ڪرمي کاتي شهر جي ٽن برسات جي آڱيٽي ڪندي ڪراچي ۽ ڪاڻ 21 ڇڏي ڏن ۽ برسات ڇڏڻ ۾ آڱيٽو.
هياڻا	08	ٺاڻ ڪندڙ ڪرمي ڏند 28 ڊگري سينيٽي ڪري ڊاڪٽر ويرومسيات کاتي جو چون ٿا. ٽن شهرن 22 ڪلن ميٽر تي ڪلاڪي جي رفتار سان ڪڍڻ لڳا ۽ هائونن گهڻي رهيون آهن. جو گهر ڪي 58 سيڪڙو آهن جو وقت ڪراچي ۽ ڪي ڏند ٺاهڻ ۽ موهي بهتر آهن. ٺاڻ ڪندڙ ڪرمي کاتي شهر جي ٽن برسات جي آڱيٽي ڪندي ڪراچي ۽ ڪاڻ 21 ڇڏي ڏن ۽ برسات ڇڏڻ ۾ آڱيٽو.

[illegible][illegible]

پتيا **ٻڌڻي** **۱9**

لارن جي پهرين قسم اسسٽنٽ بئنڪ و منتقل
جي پئني آهي هن بنايو 2 آء ايف پرورگار
بئنڪ پاسڪان جي 4 روالر ملتا آهن
جو پرورگار 3 مهنن جو آهي، ملو آهي
بئنڪ جي فخيرن و 4 لڙ 2 ڪروڙ
آهي.

ڪندڙ:

[illegible]

بقايا	10
پيرا ڏيڊو ڪالنگن جي سهولت ملندي آ، جي مل موجب پاڪستان ايشيا جو اڪيلو ملڪ جي ڏيڊو ڪالنگن جي سهولت شروع ڪئي وئي آهي. هراچيڪٽ جي ڪاميابي	16

اسپیشل انویسٹمنٹ فیسلٹیشن کاؤنسل ع ملکی معیشت

عاصر منير ڏٺو آهي. ڪري ڊالر ڪمائڻ آهي اهو سوچي اهي ڊالر ملڪ جو چند اشرافيه جي مفادن وٽان هوندا، جيڪي ملڪ جو عوام جي نالي پر قرض کڻي پنهنجي مفادن جو پورو ڪندا.

وزير اعظم شهباز شريف جي معاشي بحالي باري ڀلاڻ ۾ پهرئين نمبر تي زراعت کي رکيو ويو آهي جنهن ۾ هتان جون زمينون ٻاهرين سڀڙيڪارن کي ڏيڻ جو منصوبو آهي. جيڪا هن سرڪار واقعي سڀڙيڪارن سان ملڪ جي معاشي مسئلي جو حل سمجهي ٿي ۽ چاهي ٿي ته ملڪ جو غريب عوام خوشحال ٿي ته پوءِ ته اهي زمينون بجاءِ ٻاهرين سڀڙيڪارن کي ڏيڻ جي، ملڪ جي ٻي زمين هارين کي ڏيڻو وڃن. ملڪ جو غريب مسڪين هاري ۽ زمين تي پيدوار ڪنڊن، جنهن وسيلي ملڪ جو غريب مسڪين عوام جو روزو تعداد خوشحال به ٿي سگهي ٿو ۽ ان سان گڏ اهو عمل ملڪ جي معيشت

هڪ ٽيڙو ويب سائيٽ
پاڪستاني معيشت
هي ان طرفان شايع ٿيل
ڏينهن پاڪستان جي
پويش ڪيو پيو رجي،
آباد و لکيو وڃي ٿو
ڪائونسل کي سڏيو ويو
لاڳاپيل ۽ ڏينهن مشرف
تي تمام تجربا ڪيا ويا
ٿي. نهيان ان ڪائونسل
هي ڪي ڪانفرنس کي
مهياڙ شريف ڇيو ته اسان
نڌاندين ان زريعت انقلاب
پاڻهين سيڙپڪارن کي
اڪيلي مالڪي ٻارنهن
ڪاپو تازوئي 11 جولاءِ
اختيار پٺاڻن ”بابت هڪ
پر اعظم شهباڙ شريف
جي بحالي جو پلان جوڙي
پرين ترجيح زراعت، پي
لاهن.

سین کی ڏسندي ان ڳالهه
 واپس رڳو ٿو ته واقعي پاڪستان
 ته سان مذاق تي ڪري
 سوچو سدوري معاشي
 آڻڻ تي آهي، جنهن جو
 حالت کان ڇڏڻ وارو آهي
 اها ڌرتي جي خانگي واري
 نادن جي ملڪ جي قومي
 اهرين سڙيڪارن حوالي
 ڏيندي؟

مرکزی جلیں سیٹ، سورن اہر جلیوں جے رستہ امار پارکھ جے پریسی سیٹیاں رستہ ایتھ انتقام جے ریتدا عازارن اے ریتدا پریس قرامہ کڈن اے راتر دیس سورج برہن ایتھ پریس کڈن ریتدا انتقام اے ریتدا پریس انتقام جے شاریت سار انتقام اے دشمن خیر جے مددہ رھنا اے شرابی اے سورن پریس کشتنری جے آفسیں شکاریں کشتن قارم کڈ ریتدا کشتنری جے سورن پریس ریتنجر اے شہر اے اڈن جے ایتھر عمر اہر عابدی اے سیکوری اے ملہاٹن اے مرقعی اے سیکوری اے شہری سولہن جے ریتدا انتقام اے پتھنری سائٹن اے پھنجر سار اڈا کشتن

[illegible][illegible]

رقار	١٧	وڪرو تي رهيو آهي، ڪراچي و پريس ڪانفرنس مئلن جا تعبير ايجنس راجندر جيوان پائي، جن سنڌي ڪلرگاف جي عوام لاءِ درد سنجي و 200 هزار قاتل هجڻ جو چوي آهي. پيپلز پارٽي سنڌي ريت واٽر بورڊ و ماحوليات ڪري ٿي نه چيو ته پاڻي جي نظام و گورنمينٽ ڪري ٿي جن ڪوششن تي نيل رهي آهي.
قبا	١٨	سڪيورتي فورسز مان دهشتگردن حملو ڪري انس، ترنگنگ و ٽن جوان شهيد ٿيا وا سڪيورتي فورسز جي جاري ڪارروائي و 2 دهشتگر دارجي و سڪيورتي فورسز جو پاڻي دهشتگردن کي پڪون لا، ايجنس راجندر جاري آهي.
قبا	١٩	

ٻڌايو پيو جي ته آئل ٽينڪر حيدڪو
پيٽرولرس ڪميٽي جو هن جنهن جو نمبر آهي ۱
989 يوهن 800 ڪراچي کان سجال ريجن
دھ به پنھنج 8000 لٽي ديزل ۽ 6000

پاڪستان پارٽي باز جي نشان تي چونڊ وڙهندي، ان سلسلي ۾ هلندو پيشو اليڪشن ڪميشن ۾ درخواست تي رهندي، ذريعن جو چوڻ آهي ته اسانڪار پاڪستان پارٽي رهنبرستن سان گڏ ئي چونڊ نشان لاءِ درخواست ڏيندي.

28	پایا	29	پیدا
قونینجیجاہ تہ دیویر لکت یں بیان ولی چاڈو تیار اٹھیاں انا جائیں اور تراجہ تہ انہ صافین سان رجمی راجہ پھلانتین اکڑتیں احتساب اری صلاحکار تھوڑیشیں سنو مالٹو اری چپو بیٹو اری	سفارتی ذریعہ موجب واشنگٹن ۾ عسارت وہکری اء واکڈتو رپو پرائی عسارت عمری سان خالی مئی ۾ پاکستانی حکومت کی تبیس کی مدد لکین ولرادا اری پشچی رہیا تھا	30	پیدا

[illegible]

جي ڪُلاه رکين ڪنڌ تي، ته صوفي سالم ٿي ۽

مذہب کے لئے

هَنْدُ تَنِينِ جَوْهِي، جن حاصل ڪيو حال ڪي.

سنڌ جي آبادگارن ۽ هارين جو استحصال
ارباب علي سميجو

[illegible]

ٻڌايو ته سرزمين جي ڀرپوري پي ڪري
هڙي سرزمين تاحال ر سندن جي زرعي معيشت تباهي جي ڪناري تي اچي پهتي آهي. ڪارخاني
ارن ۽ پيڊي مالڪن اڳ ڪريائي ڇڏيا آهن ۽ جڏهن حڪومت انهيءَ تي ايڪشن ڪرڻ جو ارادو
ڪيو ته انهن ڪارخانا ٽوڙي پيڊيون بند ڪري ڇڏيون آهن تنهن سان ويتر آبادگار جو ڊوڪٽ
قصص ٿيندو، ڇاڪاڻ جو هيئر ٽرافي جا اها ٻج آهن، جن کي اهي ڪجهه ڏينهن کان وڌيڪ پاڻ
پڻ رکندا. ان ڪري سبب انهن جو رنگ تبديل ٿي ويندي، ڦٽي ڇڏي ٻيو ڪجهه ويندي ۽ ويتر انهي جو ت
موت ريت ملندي.

مہنگائی کے غیر معیاری شیڈ
 ہشتیوں پر آبادگار خاص طور پر تین آبادگار ٹوڑی ہارین وٹ ترکیکٹر نے، بڑل کو شورو
 کو، وڈی ٹوڑ ترکیکٹر کان کیڑی کو اور وڈی چڈن ٹا اہن کان کیڑی کا بچن وارو نہ
 کھینڈن بھلن بھلن کوڑ لکھی تو کوڑی جو ارگ ٹھھندا اہن کان کیڑی کا علادو، پاٹ
 ہارین وٹ ترکیکٹر کان کیڑی کا بچن وارو نہ کھینڈن بھلن بھلن کوڑ لکھی تو کوڑی جو ارگ ٹھھندا اہن کان کیڑی کا علادو، پاٹ
 ہارین وٹ ترکیکٹر کان کیڑی کا بچن وارو نہ کھینڈن بھلن بھلن کوڑ لکھی تو کوڑی جو ارگ ٹھھندا اہن کان کیڑی کا علادو، پاٹ

پاڻي جي مفاد ڏوٽ
 ڇڏين ٿا ڪي ڪجڙ ڪوٽ به آهي پراسان وٽ آبادگار کان رشوت وٺڻ جي لاءِ هٿرادو ڪوٽ
 ڪري ڪي پريشان ڪيو وڃي ٿو
 ڏينهن ۾ آفتون
 ٿينديون آهن ۽ سمنڊ جي تبديلي جي ڪري اڪثر ٻوڏون اينديون رهن ٿيون. ڪافي علائقن ۾ سمنڊ
 ۾ لڏپلاڻ ٿيڻ جي ڪري آبادگار کي وڏي نقصان کي منهن ڏيڻو پوي ٿو

باداڳن جي جنس جو مناسب اڌ ملڻ شروع ٿيو. ڏهه سالن کان وڌيڪ وقتن جو مناسب اڌ ملڻ آهي. انهيءَ جي ڪري ٻه ڪموت جي ڪهڙي نه دؤر سان پائيندڙ ڪڍي وڃي، جنهن سان آبادگارن کي صحيح ۽ مناسب اڌ ملي سگهي ٿو. آبادگارن کي پيدا ڪندڙ يا ملڪن يا ڪارخاني ٻارن جي عمر وٽر کڻي ڇڏي وڃي. ڦهلي ٿوري ڌنڌي ڪري ڪهڙي نه زراعت کي ڄاڻائڻ لاءِ زراعت دوست اديشنن جي پيڙهيون جواري وڃن. عجمي کي رليف فراهم ڪري وڃي. زراعت ۽ استعمال ٿيندڙ ڀريل، ڀاڙ، پڇن، ڀڄن، مشينري ۽ ٻين شين تي سيڙپي ٿين سميت ڦهين جي سرڪاري اڌ جيڪو 8500 روپيا مقرر ڪيو ويو آهي، ان تي ڦهري طور تي ڪم ڪرائجي. زراعت کاتي کي فعال ڪري وڃي ۽ ڪم انهيءَ ڦاٽل جو پائيدار ٿيڻ واري ڌيان ۾ ڀاڄ ۽ داجي عياريءَ اڌ کي جيڪو عياريءَ ۽ نقلي شيون مليندڙ ڏڪاندرن تي ڳاڙن ڏنڊن هٿن ۽ آبادگارن کي فصلن بابت مشورا ڏيڻ جو پائيدار ڪيو

سندن جي اندر اهڙو ڇا ٿي رهيو آهي جنهن سبب اتي جو رنگ تبديل ٿي رهيو آهي. هنن چيو ته ان جو سبب ڄاڻڻ سان ان تبديلي جي ماحولياتي اثرن کي سمجهڻ ۾ به مدد سگهندي.

[illegible][illegible][illegible][illegible]

بقايا ۵۳

سفراتي ڏيڻي موجب واشنگٽن ۾ عمارت جي وڪري لاڏاڻو ٿيو. پريو، اسان ڏکڻي عرصي کان خالي هئي ۽ پاڪستاني حڪومت کي ڪيڪس جي مدد وٺڻ کان ڪوئي پئجي رهيا هئا.
